पु✿ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class -IV

Hindi

Rimzim – 4

Specimen Copy

Year- 2020-21

काव्य-१

मन के भोले भाले बादल

कवि-कल्पनाथ सिंह

• कठिन शब्द

1.बादल
2.मतवाले
3.कूबड
4.भले
5.तूफानी
6.तोंद
7बाढ
8.टकारते
9.सूँड
10.झब्बर

• शब्द अर्थ

1.तोंद-बढा हुआ पेट
2.कूबड-उभरा हुआ हिस्सा
3.मतवाले-मनमौजी
4.भले-अच्छे
5.जिद्दी-हठी

• अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्र-१ बादल झूम-झूम कर क्या कर रहे है?
उ-१ बादल झूम-झूम कर बरसा रहे है।
प्र-२ बादल किस प्रकार पानी बरसा रहे है?
उ-२ बादल रिमझिम पानी बरसा रहे ह।

प्र-३ बादल छत पर आने के बाद क्या कर रहे हैं?

उ-३ बादल छत पर आने के बाद कभी दिखाते और फिर तुरंत उड जाते है।

• लघु प्रश्न उत्तर ।

प-१ बादल किस रूप रंग और आकार है?

उ-१ बादल गाल गुब्बारें, जोकर की तोंद, उँटों से कूबड वाले, परियों से पंख वाले, शेरों से मतवाले है।

प्र-२ कविता में बादल की शेर से किस प्रकार तुलना की गई है?

उ-२ जब बादल आपस में टकराते रहते हैं, तब शेर से तुलना की गई है।

प्र-३ बादलों को मन के भोले बादल क्यों कहा गया है?

उ-३ कवि ने बादल की वर्णन करते हुए कहा है कि बादल कुछ भी करे किन्तु इन सब के बावजूद ये बादल बहुत अच्छे है ये मन के भोले भाले है।

• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।

प्र-१ बादल किन-किन प्राणियों के समान प्रतीत हो रहे हैं?कविता में उन प्राणियों की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई है?

उ-१ बादल को हाथी से सूड उठाए बादल, उँट-जैसे कूबड वाले बादल, है, शेरों से मतवाले बादल, कविता में इन प्राणियों की विशेषताए बताई गई है।

प्र-२ कविता में बादल के किन-किन कार्यो का उल्लेख किया गया है?

उ-२कविता में बादल के अलग-अलग कार्यो का उल्लेख किया गया है

जैसे कि कही नदी-नालों बाढ लने का, आपस में टकराने का, गर्जना करने

का, कभी-कभी जिद्दी बन करके, कार्यो का उल्लेख किया गया है।

व्याकरण-

भाषा की पभिाषाः-भाषा वह साधन है,मुख से उच्चारित होनेवाले शब्दों और वाक्यों आदि का वह समूह है जिनके द्वारा मा की बात बताई जाती है।

भाषा के दो प्रकार होते है।

१-वाचिक भाषा

२-लिखित भाषा

पाठ-२
जैसा सवाल वैसा जवाब

• कठिन शब्द

१- मूर्ख
२- पल
३- अभिमान
४- संदेह
५- तुलना
६-संसार
७- मंत्री
८- आबादी
९- ख्वाजा
१०- बादशाह

• शब्द-अर्थ

१- मूर्ख-बुदधू
२- अभिमान-घमंड
३- पल-बहुत थोडा समय
४- संदेह-शक
५- तुलना-बराबरी
६- संसार-दुनिया
७- संतुष्ट-जो मिल जाए उसी में खुश रहनेवाल

• अति लघु प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ ख्वाजा सरा कौन था?

उ-१ दरबारी था।

प्र-२ बादशाह अकबर सबसे अधिक पसंद किसे करता था?

उ-२ बीरबल को।

लघु प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ कुछ दरबारी बीरबल से क्यों जलते थे?

उ- क्यों कि बीरबल को बादशाह पसंद करते थे।

प्र-२ ख्वाजा सरा अकबर के पास क्यों गया था?

उ-२ ख्वाजा सरा अकबर के पास बीरबल को बुद्ध सबित करने गया था।

• दीर्घ प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ अकबर के सामने भेड क्यों लाई थी?

उ-१ अकबर के सामने भेड ख्वाजा को जवाब देने के लिए लाई गई थी, कि आकाश में कितने तारे है वह भेड के शरीर मे जितने बाल है उसे गिन ले।

• चित्र-लेखन बाग-बगीचा

बगीचा हरी घास और फूलों से भरपूर एक स्थान होता है।जहाँ पर जाकर सब को अच्छा लगता है।बगीचे में हर तरफ हरी घास होती है जिस पर सुबह-सुबह नंगे पैर चलने से बहुत अच्छा लगता है।बगीचे में तरह-तरह के पेड होते हैं।जिन पर फल, फूल आदि लगते हैं।पेडों पर बहुत से पक्षी अपना घोसला बनाते हैं और सुबह शाम उनके चहकने की आवाज बहुत ही मनमोहक लगती है।बगीचे में अनेको प्रकार के रंग बिरंगे फूल हैं जो सबको अच्छे लगाते हैं और उन पर तितलियाँ मंडराती रहती है। हर रोज कुछ समय बगीचे में बिताने से मानासिक और शारीरीक स्वास्थय अच्छा होता है।

व्याकरण

काल (tense)

काल की परिभाषा–: क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का पता चले उसे काल कहते है।

काल के तीन भेद है।

१–भूतकाल

२–वर्तमान काल

३–भविष्यकाल

भूतकाल–उदाहरण

१– कल मैं घूमने गया था।

२– कल तुमने आइसक्रिम खाई थी।

वर्तमानकाल–उदाहरण

१– मैं बाजार जाता हूँ।

२ वह स्कूल जाता है।

भविष्यकाल–उदाहरण

१– वह बाजार जा चूका होगा।

२– मैं खाना खा चूकी।